Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

# TRAINING WORKSHOP FOR TREATMENT OF TUBERCULOSIS & HIV/AIDS

In yet another move to extend health care facilities to the poor and underprivileged people, GVT-Ranchi organized a health training camp for peer educators under Project Akshaya, an initiative for diagnosis and treatment of tuberculosis (TB), in Pakur district of Jharkhand. Tuberculosis is a disease that disintegrates the body; hence the Project has been named as 'Akshaya' meaning preventing any type of erosion of the body. The Training highlighted the importance of taking measures to eradicate TB based on the twin principle of 'Awareness & Intervention'.

Master Trainer Dr. Suparna Saha and Incharge, TI Project, Mh. Irshad Farooque gave detailed information regarding TB and its symptoms, treatment and prevention. Training was also provided on HIV/AIDS and its prevention to the Peer Educators.

***Press Clippings related to this training are attached below for your reference.***

देवघर
बुधवार, 12 फरवरी, 2014
माघ शुक्ल 13 संवत 2070

झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

देवघर, रांची, पटना, जमशेदपुर, धनबाद, कोलकाता, सिलीगुड़ी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया से प्रकाशित

## यक्ष्मा नियंत्रण की दी गयी जानकारी

**प्रतिनिधि, पाकुड़**

जिला मुख्यालय के तांतीपाडा मुहल्ले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को यक्ष्मा नियंत्रण को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. आयोजित उक्त प्रशिक्षण में यक्ष्मा एवं एचआइवी एड्स टीआइ के तहत ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कर्मियों को यक्ष्मा रोगियों की पहचान, रोगियों का इलाज आदि के बारे में बताया गया. मौजूद कर्मियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से यक्ष्मा नियंत्रण को लेकर किये जाने वाले कार्यों की भी जानकारी दी गयी. कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन के जिला समन्वयक तपन कुमार लाहा, मास्टर ट्रेनर डॉ सुपर्णा साहा द्वारा यक्ष्मा रोग एवं एड्स रोग के लक्षण, रोगियों की पहचान व उन्हें दिये जाने वाले स्वास्थ्य सुविधा व दवा के बारे में बताया गया. मौके पर शैय्यद इरशाक फारूकी, रंजना श्रीवास्तव आदि मौजूद थे.

यक्ष्मा नियंत्रण को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी. ■ फोटो । प्रभात खबर

## स्वास्थ्य बीमा योजना की कार्यशाला आज

**पाकुड़.** जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर कार्यशाला का आयोजन आज किया जायेगा. इसमें जरूरतमंदों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा का लाभ मुहैया कराने को लेकर चर्चा की जायेगी. कार्यशाला में श्रम, स्वास्थ्य विभागों के प्रतिनिधि के अलावा पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत सचिव आदि हिस्सा लेंगे. यह जानकारी जिला समन्वयक बंकिम चौबे ने दी.

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

भागलपुर, बुधवार
12 फरवरी 2014
संताल परगना संस्करण
विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

12 कांग्रेस का क्रिएशन हैं केजरीवाल : पार्रिकर

झारखंड • बिहार • पश्चिम बंगाल • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्र

# यक्ष्मा व एड्स से बचाव की मिली जानकारी

बीमारी की जानकारी देते संस्था के पदाधिकारी

जागरण संवाददाता, पाकुड़ : शहर के तांतीपाड़ा स्थित ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यालय में मंगलवार को पीयर एडुकेटरों को यक्ष्मा व एड्स से बचाव की जानकारी दी गई। अक्षय प्रोजेक्ट के तहत कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था। मास्टर ट्रेनर डॉ. सुपर्णा साहा व टीआई प्रोजेक्ट के इंचार्ज मो. इरशाद फारूकी ने यक्ष्मा व एड्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि यक्ष्मा व एड्स से ग्रस्त मरीजों का बचाव का रास्ता क्या है। बताया गया कि अगर दो सप्ताह से अधिक खांसी, शाम के समय हल्का बुखार, सीने में दर्द होना, लगातार वजन में कमी होना तथा बलगम के साथ खून का आना यक्ष्मा के लक्षण हैं। शरीर में हल्का बुखार का रहना तथा गुप्तांग में घाव का होना एड्स का लक्षण है। दोनों ही बीमारी से बचाव के लिए परहेज करना आवश्यक है। यक्ष्मा तो आज के समय में आसानी से खत्म हो सकता है। प्रशिक्षण में जीवीटी के कर्मचारी, काउंसिलर रंजना श्रीवास्तव, ओआर डब्लू इम्तियाज अहमद, मों. इमरान आलम सहित सभी प्रखंडों से पीयर एडुकेटर उपस्थित थे।

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

रेलवे लाइन व सड़क ... 08 900 मेगाहर्ट्ज की होड़ ... 10

संताल परगना से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

इंडियन पंच

दिखे, निष्पक्ष लिखे

देवघर । बुधवार, 12 फरवरी 2014 । माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2070 । मूल्य ₹ 2.00 । कुल पृष्ठ 12

# यक्ष्मा व एचआइवी पहचान के लिए दिया प्रशिक्षण

[ पाकुड़/निज संवाददाता ]

शहर के तातीपाडा स्थित ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यालय में यक्ष्मा व एचआइवी एड्स के पहचान को लेकर ट्रस्ट के कर्मियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिंक्षण में मौजूद केथोलिक हेल्थ एसोसियेशन ऑफ इंडिया के जिला कोआर्डिनेटर तपन साहा की देखरेख में मास्टर ट्रेनर डा. सुपर्णा साहा ने उपस्थित कर्मियों को सबसे पहले यक्ष्मा बिमारी के पहचान के बावत बताया कि दो सप्ताह तक यदि किसी व्यक्ति को खांसी होती है तो उसके बलगम की जांच तुरंत करवाना चाहिये। बलगम की जांच के बाद यक्ष्मा का पता चलता है तो तुरंत सदर अस्पताल या नजदीकी स्वास्थ्य उपकेंद्र में जाकर इलाज करवाना चाहिये। डा. साह ने बताया कि यक्ष्मा लाइलाज बीमारी नहीं है। यदि नियमानुसार इसका दवा सेवन किया जाये तो बिमारी समाप्त हो जाती है। वही इसके बाद एचआइवी के पहचान के बावत जीबीटी के प्रोजेक्ट मैनेजर मो. ईशद फारूकी ने एचआइवी के बावत बताया कि सुरक्षित यौन संबंध से एचआइवी बिमारी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि लौगों को हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनना चाहिये। उन्होंने कहा कि एचआइवी मरीजों को यक्ष्मा जल्द चपेट में ले लेती है। वही प्रशिक्षकों ने दूसरे सत्र में यक्ष्मा व एचआइवी के इलाज के बावत विस्तार से जानकारी दीं। मौके पर रंजना श्रीवास्तव, ओआरडब्लू इमतियाज अहमद, इमरान आलम, सुमित संकरी, समिमूल निशा, रेखा देवी समेत दर्जनों कर्मी मौजूद थे।



# श्रमिक व प्रबंधन के बीच बैठक आयोजित

महागामा/गोड्डा/संवाददाता। क्षेत्रीय श्रमआयुक्त ने पत्र लिखकर संज्ञान लिया है कि ईसीएल प्रबंधन वाले एवं संवेदक के अंतर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों के औद्योगिक विवाद और श्रमिकों से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे ईसीएल के उर्जा नगर गेस्ट हाउस में बैठक का समय रखा गया। जिसमें औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के सेक्शन

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

Wednesday 12th February 2014, Rabius Sani 11,1435 A.H. شمارہ نمبر 42

روزنامہ
اخبارِ مشرق

Published simultaneously from Ranchi, Calcutta & Delhi

THE DAILY AKHBAR-E-MASHRIQ RANCHI

# ٹی بی و ایچ آئی وی شناخت کے لئے دی گئی تربیت

پاکڑ 11 فروری: شہر کے تانتی پاڑا واقع دیہی فروغ ٹرسٹ کے دفتر میں ٹی بی اور ایچ آئی وی ایڈس کی شناخت کے لئے ٹرسٹ کے ملازمین کو ایک روزہ تربیت دی گئی۔ تربیت میں موجود کیتھولک ہیلتھ ایسوسی ایشن آف انڈیا کے ضلع کوآرڈی نیٹر تپن شاہا کی دیکھ ریکھا میں ماسٹر ٹرینز ڈاکٹر سپرنا شاہا نے موجود ملازمین کو سب سے پہلے ٹی بی کی بیماری کی شناخت کے بارے میں بتایا کہ دو ہفتے تک اگر کسی شخص کو کھانسی رہتی ہے تو اس کے بلغم کی جانچ فوراً کرائی جانی چاہئے اور بلغم کی جانچ کے بعد اگر پتہ چلتا ہے تو فوراً صدر اسپتال یا نزدیکی طبی ہیلتھ سنٹر میں لے جاکر علاج کرانا چاہئے۔ ڈاکٹر شاہا نے بتایا کہ ٹی بی لاعلاج مرض نہیں ہے۔ اگر قاعدہ سے اس کی دوا لی جائے تو بیماری ختم ہوجاتی ہے۔ وہیں اس کے بعد ایچ آئی وی کے شناخت کے بابت جی ٹی ٹی کے



پروجیکٹ منیجر محمد ارشاد فاروقی نے ایچ آئی وی کے بارے میں بتایا کہ حفاظتی جسمانی رشتہ سے ایچ آئی وی بیماری نہیں ہوتی۔ انہوں نے کہا کہ لوگوں کو ہمیشہ محفوظ جسمانی رشتہ بنانا چاہئے۔ انہوں نے کاہ ایچ آئی وی مریضوں کو ٹی بی جلد اپنے زد میں لے لیتی ہے۔ وہیں

تربیت کاروں نے دوسرے اجلاس میں ٹی بی و ایچ آئی وی کے بارے میں تفصیلی جانکاری دی۔ موقع پر کاؤنسلر رنجنا شری واستو، اوآر ڈبلو امتیاز احمد، عمران عالم، سمیت ٹنگری، شمیم النساء، ریکھا دیوی کے ساتھ درجنوں ملازمین موجود تھے۔

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

सोने के घटते आयात से जगी आस पेज 15 | खूबसूरती के सा

# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 12 फरवरी 2014 देवघर, वर्ष 4, अंक 36, 16 पेज, पांच प्रदेश, 18 संस्करण www.livehindustan.com

## यक्ष्मा की रोकथाम को लेकर कार्यशाला

पाकुड़। अक्षय प्रोजेक्ट के द्वारा ग्रामीण विकास ट्रस्ट कार्यालय में मंगलवार को यक्ष्मा के रोकथाम को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। काउंसेलर फिल्ड को-ऑर्डिनेटर एवं जीवीटी के 20 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण केथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जिला समन्वयक तपन कुमार लाहा के सहयोग से मास्टर ट्रेनर डा सुपर्णा साहा के द्वारा दिया गया।